



उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद — एक जीवन-परिचय — उपदेश श्रृंखला

उपदेश के नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद (भाग 5) — कार्य

रविवार का उपदेश, 4 अक्टूबर 2026

1 शमूएल 31, 2 शमूएल अध्याय 1-5 को शामिल करता है

जीवन की नियुक्ति में आगे बढ़ना

शाऊल की मृत्यु, दाऊद का यहूदा का राजा बनना और अंततः पूरे इस्राएल का राजा बनना। यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है क्योंकि दाऊद अब केवल परमेश्वर की प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा नहीं कर रहा है। अब वह अपने जीवन के लिए परमेश्वर की नियुक्ति में चल रहा है।

शाऊल की मृत्यु, दाऊद की प्रतिक्रिया

शाऊल और उसके पुत्र युद्ध में मारे गए, जिससे दाऊद के राजा बनने का मार्ग खुल गया।

1 शमूएल 31, 2 शमूएल 1

यह देखना अद्भुत है कि राजा शाऊल और योनातन की मृत्यु का समाचार सुनकर दाऊद की प्रतिक्रिया कैसी थी। वह बहुत दुखी हुआ, विलाप किया और रोया। उसके शब्द सम्मान और आदर से भरे थे, जबकि राजा शाऊल उसका उत्पीड़क था और उसे मार डालना चाहता था।

2 शमूएल 1:11-12

11 तब दाऊद ने अपने वस्त्र पकड़कर फाड़े, और उसके साथ के सब पुरुषों ने भी ऐसा ही किया।

12 और वे शाऊल और उसके पुत्र योनातन के लिए, और यहोवा की प्रजा और इस्राएल के घराने के लिए, क्योंकि वे तलवार से मारे गए थे, विलाप करके रोते और साँझ तक उपवास करते रहे।

2 शमूएल 1:19,23

19 हे इस्राएल के सौन्दर्य! तेरे ऊँचे स्थानों पर मारा गया! हे शूरवीरों, तुम कैसे गिर पड़े!

23 शाऊल और योनातन, जीवन में प्रिय और मनोहर थे, और मृत्यु में भी अलग न हुए; वे उकाबों से अधिक वेगवान और सिंहों से अधिक बलवन्त थे।



उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद — एक जीवन-परिचय — उपदेश श्रृंखला

उपदेश के नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

क्या मुझे आगे बढ़ना चाहिए? कहाँ?

2 शमूएल 2:1

ऐसा हुआ कि इसके बाद दाऊद ने यहोवा से पूछा, “क्या मैं यहूदा के किसी नगर में चला जाऊँ?” यहोवा ने उससे कहा, “चला जा।” दाऊद ने पूछा, “कहाँ चला जाऊँ?” उसने कहा, “हेब्रोन को।”

दाऊद बिना सोचे-समझे किसी कार्य में जल्दबाजी नहीं करता। वह परमेश्वर से मार्गदर्शन माँगता है। सबसे पहले वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि क्या यह सही समय है कि वह सिकलग में निर्वासन से निकलकर यहूदा के क्षेत्र में वापस जाए। और यदि उसे वापस जाना है, तो किस नगर में जाना चाहिए। प्रभु उसे हेब्रोन वापस जाने का निर्देश देता है।

दाऊद यह नहीं मानता कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा उसे उसके पूरा होने के समय, स्थान या तरीके को स्वयं निर्धारित करने की अनुमति देती है। वह परमेश्वर को अपना अगला कदम निर्धारित करने और निर्देशित करने देता है। और अगला कदम यरूशलेम नहीं, बेतलेहेम नहीं, बल्कि हेब्रोन था।

दाऊद यहूदा का राजा बनता है

शाऊल की मृत्यु के बाद हेब्रोन में दाऊद का यहूदा के ऊपर राजा के रूप में अभिषेक किया गया।

2 शमूएल 2:2-4

2 तब दाऊद वहाँ चला गया और उसकी दोनों पत्नियाँ भी—अहिनोअम जो यिज़्गेली थी, और नाबाल कर्मेली की विधवा अबीगैल।

3 और दाऊद अपने साथ के पुरुषों को भी, प्रत्येक को उसके घराने समेत, वहाँ ले गया; और वे हेब्रोन के नगरों में रहने लगे।

4 तब यहूदा के पुरुष आए और वहाँ उन्होंने दाऊद का यहूदा के घराने पर राजा होने के लिए अभिषेक किया।

दाऊद का “गृहनगर” बेतलेहेम था, जो यहूदा में था, फिर भी परमेश्वर ने उसे हेब्रोन जाने का निर्देश दिया।

बाइबल में ऐतिहासिक रूप से हेब्रोन बहुत महत्वपूर्ण है:

- हेब्रोन परमेश्वर की वाचा की योजनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ था - अब्राहम, इसहाक और याकूब वहाँ रहे थे (उत्पत्ति 13, 23, 49, 50)।

- हेब्रोन शरण का नगर था (यहोशू 20:7)।



उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद — एक जीवन-परिचय — उपदेश श्रृंखला

उपदेश के नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

- हेब्रोन कालेब को विरासत के रूप में दिया गया था क्योंकि उसने पूरी तरह से परमेश्वर का अनुसरण किया था (यहोशू 14:13-14)।

दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञा मानी और हेब्रोन चला गया। जैसे ही दाऊद वहाँ पहुँचा, बिना कोई प्रयास किए ही यहूदा के लोग उसके पास आए और उसे अपना राजा बना लिया।

एक बार फिर हेब्रोन में दाऊद राजा शाऊल का सम्मान करता है। जब दाऊद ने सुना कि याबेश गिलाद के पुरुषों ने शाऊल को दफनाया है, तो उसने शाऊल की मृत्यु का उत्सव मनाने के बजाय उन्हें आशीष दी। दाऊद का राजत्व प्रतिशोध से नहीं, बल्कि उस गिरे हुए राजा शाऊल का भी सम्मान करने से शुरू होता है जिसने उसे सताया था।

हेब्रोन वह स्थान है जहाँ दाऊद ने इस्राएल पर शासन करने से पहले यहूदा पर शासन करना सीखा। बाद में ही वह यरूशलेम जाता है और वहाँ अपनी राजधानी स्थापित करता है। यहाँ हमारे लिए एक महत्वपूर्ण शिक्षा है।

अभिषेक नियुक्ति से पहले होता है, और नियुक्ति विस्तार से पहले होती है।

परमेश्वर आपका अभिषेक करता है, फिर आपको नियुक्त करता है और उसके बाद आपके कार्य को स्थिर तथा विस्तारित करता है।

दाऊद अधिकाधिक सामर्थी होता गया

2 शमूएल 3:1

अब शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच लम्बा युद्ध चलता रहा। और दाऊद अधिकाधिक सामर्थी होता गया, और शाऊल का घराना निर्बल होता गया।

दाऊद शाऊल की सेना के सेनापति अब्नेर का सम्मान करता है

सामर्थ्य में बढ़ना, सम्मान में बढ़ना

2 शमूएल 3:36

सब लोगों ने इस बात पर ध्यान दिया और यह उन्हें अच्छा लगा, क्योंकि राजा जो कुछ करता था वह सब लोगों को अच्छा लगता था।

भजन संहिता 60 दाऊद के सैन्य अभियानों और यरदन के पूर्व में स्थित शत्रुओं पर उसकी विजय से संबंधित है।



उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद — एक जीवन-परिचय — उपदेश श्रृंखला

उपदेश के नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

भजन संहिता 60:12

परमेश्वर के द्वारा हम वीरता दिखाएँगे, क्योंकि वही हमारे शत्रुओं को कुचल देगा।

सात वर्ष - और फिर ऐसा हुआ! दाऊद पूरे इस्राएल का राजा बन गया

वर्षों के संघर्ष के बाद दाऊद का पूरे इस्राएल के ऊपर राजा के रूप में अभिषेक किया गया और उसने गोत्रों को एक किया।

2 शमूएल 5:1-5

1 तब इस्राएल के सभी गोत्र हेब्रोन में दाऊद के पास आकर कहने लगे, “देख, हम तेरी हड्डी और मांस हैं।

2 और पहले भी जब शाऊल हम पर राजा था, तब तू ही इस्राएल को बाहर ले जाता और भीतर लाता था; और यहोवा ने तुझसे कहा था, ‘तू मेरी प्रजा इस्राएल का चरवाहा होगा और इस्राएल पर प्रधान होगा।’ “

3 तब इस्राएल के सब वृद्ध राजा के पास हेब्रोन में आए और राजा दाऊद ने उनके साथ हेब्रोन में यहोवा के सामने वाचा बाँधी; और उन्होंने दाऊद का इस्राएल के ऊपर राजा होने के लिए अभिषेक किया।

4 दाऊद जब राज्य करने लगा तब तीस वर्ष का था, और उसने चालीस वर्ष राज्य किया।

5 हेब्रोन में उसने यहूदा पर सात वर्ष और छः महीने राज्य किया, और यरूशलेम में उसने पूरे इस्राएल और यहूदा पर तैंतीस वर्ष राज्य किया।

इस समय दाऊद के हृदय में क्या था, यह देखने के लिए हम इन भजनों की कुछ आयतों को देख सकते हैं।

भजन संहिता 18

भजन संहिता 133

भजन संहिता 101

जब दाऊद हेब्रोन में पूरे इस्राएल का राजा बन जाता है, तो वह वहीं नहीं रहता। वह यरूशलेम जाता है और यबूसी गढ़ सिय्योन पर अधिकार कर लेता है, जो दाऊद का नगर बन गया: “तौभी दाऊद ने सिय्योन के गढ़ को ले लिया, जो दाऊद का नगर है।” (2 शमूएल 5:7)



उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद — एक जीवन-परिचय — उपदेश श्रृंखला

उपदेश के नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

पोज़िशनिंग - सही स्थान, सही समय

पोज़िशनिंग का अर्थ है सही स्थान पर, सही समय में, सही कार्य करते हुए होना।

स्थिति → सामर्थ्य और सम्मान में बढ़ना → अपनी जीवन की नियुक्ति में आगे बढ़ना

सभोपदेशक 8:5-6

5 जो आज्ञा को मानता है, वह किसी बुरी बात को न जानेगा; और बुद्धिमान का हृदय समय और न्याय को पहचानता है,

6 क्योंकि हर एक बात के लिए समय और न्याय है, यद्यपि मनुष्य का दुःख बहुत बढ़ जाता है।

हम दाऊद की यात्रा को देखते हैं:

बेतलेहेम: दाऊद एक अज्ञात चरवाहा है, जिसे शमूएल ने भविष्य के राजा के रूप में अभिषेक किया।

जंगल: दाऊद परमेश्वर की प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा करते हुए सताया और परखा जाता है।

हेब्रोन: दाऊद को पहचाना और स्थापित किया जाता है - पहले यहूदा के ऊपर और बाद में पूरे इस्राएल के ऊपर।

यरूशलेम: दाऊद का राज्य स्थापित, स्थिर और विस्तारित होता है।

एक “हेब्रोन” का समय

दाऊद की कहानी में हेब्रोन प्रतिज्ञा और उसकी पूर्ति के बीच परमेश्वर की प्रक्रिया का एक प्रभावशाली चित्र है।

दाऊद का बेतलेहेम में पहले ही अभिषेक हो चुका था।

उसे राज्य की प्रतिज्ञा पहले ही मिल चुकी थी।

लेकिन फिर भी परमेश्वर के पास उसके लिए एक हेब्रोन का समय था।

और हेब्रोन अंतिम गंतव्य नहीं था। यह वह स्थान था जहाँ दाऊद ने सीखा कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की थी, उसे प्राप्त करना, उसकी देखभाल करना और उसमें बढ़ना क्या होता है, इससे पहले कि उसे यरूशलेम ले जाया जाए।

पोज़िशनिंग दाऊद के उदाहरण की तरह भौगोलिक भी हो सकती है।

पोज़िशनिंग सीखने, विकास और परिपक्वता के संदर्भ में भी हो सकती है - अर्थात् विभिन्न विषयों पर आपकी स्थिति या समझ क्या है।



उन्नति के लिए खुद को सही जगह पर कैसे रखें

राजा दाऊद — एक जीवन-परिचय — उपदेश श्रृंखला

उपदेश के नोट्स, उपदेश की रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

परमेश्वर से पूछें कि वह आपको दिखाए कि आपको कहाँ और कैसे पोज़िशन करना है।

इस चरण में दाऊद के भजन:

भजन संहिता 18: संभवतः संक्रमण के सबसे महत्वपूर्ण भजनों में से एक। इसके शीर्षक में इसे शाऊल और उसके शत्रुओं से दाऊद के छुटकारे से जोड़ा गया है, और यह भजन मूल रूप से उस समय दाऊद की गवाही है जब परमेश्वर उसे लंबे समय तक चली विपत्ति से निकाल चुका था। यह लगभग शब्दशः 2 शमूएल 22 में भी सुरक्षित है।

भजन संहिता 60: दाऊद के सैन्य अभियानों और यरदन के पूर्व में स्थित शत्रुओं पर उसकी विजय से संबंधित।

भजन संहिता 61: दूरी और परमेश्वर पर निर्भरता की स्थिति से दाऊद की परमेश्वर के सामने पुकार।

भजन संहिता 67: परमेश्वर की आशीष के लिए प्रार्थना और राष्ट्रों तक उसके उद्धार के विस्तार की प्रार्थना।

भजन संहिता 68: परमेश्वर की विजयी यात्रा और उसके निवास की स्थापना।

भजन संहिता 101: दाऊद की इस घोषणा से संबंधित कि वह किस प्रकार शासन करने का इरादा रखता है।

भजन संहिता 110: अत्यंत राजकीय/मसीहाई; परंपरागत रूप से दाऊद से संबंधित और बाद में नए नियम में स्पष्ट रूप से उद्धृत किया गया है।

भजन संहिता 122: यरूशलेम/सियोन, हालांकि इसका सटीक समय निश्चित नहीं है।

भजन संहिता 124: परमेश्वर के छुटकारे के लिए धन्यवाद।

भजन संहिता 131: परमेश्वर के सामने नम्रता और शांतचित्तता।

भजन संहिता 133: परमेश्वर के लोगों के बीच एकता; विशेष रूप से दाऊद द्वारा इस्राएल के एकीकरण के संदर्भ में उपयुक्त।

भजन संहिता 138: अपने दास के प्रति परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के लिए धन्यवाद।